आरएनआई नं. : RAJHIN/2014/59353
डाक पंजी सं. : RJ/UD/29-154/2021-2023

दैनिक समाचार–पत्र

प्रेषण :- कार्यालय चेतक सर्कल पोस्ट ऑफिस ,उदयपुर
प्रेषण दिनांक: -प्रतिदिन

मन के जीते जीत सदा

• वर्ष - 9 • अंक-2473 • उदयपुर, रविवार 03 अक्टूबर, 2021 • प्रेषण दिनांक : प्रतिदिन • कुल पृष्ठ : 4 • मूल्य : 1 रुपया

आपका अपना नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

खुर्जा (उत्तरप्रदेश) में कृत्रिम अंग वितरण शिविर

नारायण सेवा संस्थान आप सभी की शुभकामनाओं व सहयोग से विश्वभर में दिव्यांग सहायता व सेवा में लिये जानी जा रही है। देश–विदेश में समय–समय पर शिविर लगाकर कृत्रिम अंगों का वितरण, दिव्यांग सहायक उपकरण एवं दिव्यांग ऑपरेशन जारी है।

ऐसा ही कृत्रिम अंग वितरण शिविर 12 अगस्त 2021 को नारायण सेवा संस्थान के खुर्जा, जिला– बुलंदशहर, उत्तरप्रदेश आश्रम में संपन्न हुआ।

इस शिविर में 19 दिव्यांगों के लिये कृत्रिम अंग तथा 07 के लिये कैलिपर्स की सेवा सराहनीय हुई। उक्त शिविर में मुख्य अतिथि श्री हरपाल सिंह जी (पूर्व विधायक खुर्जा), अध्यक्षता श्री सत्यवीर शास्त्री जी (पूर्व प्रधान महोदय, खुर्जा), विशिष्ट अतिथि श्रीमान जयप्रकाश जी चौहान, श्रीमान राजप्रताप सिंह जी (समाज सेवी), श्रीमान योगेन्द्र प्रताप जी राघव (सेवा प्रेरक एवं संयोजक) कृपा करके पधारे और संस्थान की सेवा प्रकल्पों की सराहना की।

टेक्नीशयन टीम में श्री नाथूसिंह जी, शिविर टीम में श्री हरिप्रसाद जी (शिविर प्रभारी), श्री भरत जी भट्ट का पूर्ण योगदान रहा।

हमीरपुर में कृत्रिम अंग सेवा

नारायण सेवा संस्थान की देश–विदेश में स्थित शाखायें भी दिव्यांगजनों को राहत प्रदान करने व सेवा करने में तत्पर हैं। गत 17–18 जुलाई 2021 को ज्वालाजी, जिला– कांगड़ा, (हि.प्र.) की हमीरपुर शाखा द्वारा मातृ सदन, सरस्वती विद्यालय के पास कृत्रिम अंग वितरण शिविर लगाया गया।

इस शिविर में कुल 68 दिव्यांगजन आये। जिनमें से 28 को कृत्रिम अंग प्रदान किये। तथा 40 को केलिपर्स वितरित किये गये।

शिविर में गरिमामय उपस्थिति श्रीमान् प्रेमकुमार जी धूमल– पूर्व मुख्यमंत्री हि.प्र. (मुख्य अतिथि), श्रीमान् रमेश जी घवाला– पूर्व मंत्री वरमानीया विद्यायक (अध्यक्ष), श्रीमान् रविन्द्र रवि जी– पूर्व मंत्री महोदय (विशिष्ट अतिथि), श्रीमान् रसील सिंह जी मनकोटिया– शाखा संयोजक हमीरपुर, श्रीमान् संजय जी जोशी– पत्रकार, श्रीमान पंकज जी शर्मा एवं श्री रामस्वरूप जी शास्त्री– समाजसेवी पधारे। टेक्निशियन टीम में श्री नरेश जी वैष्णव एवं श्री किशन जी लोहार ने सेवाएं दी। शिविर टीम श्री अखिलेश जी अग्निहोत्री– प्रभारी, श्री रमेश जी मेनारिया, श्री मुन्ना सिंह जी आदि ने सहयोग किया।

35 दिव्यांग भाई बहनों को सुनेल शिविर में मिले कृत्रिम अंग

पंचायत समिति सुनेल झालावाड़ के सभागार में शुक्रवार को नारायण सेवा संस्थान उदयपुर एवं पूर्व सरपंच घनश्याम जी पाटीदार परिवार के तत्वावधान में दिव्यांग कृत्रिम अंग शिविर आयोजित किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि पंचायत समिति प्रधान सीता कुमारी जी एवं पूर्व प्रधान कन्हैया लाल जी पाटीदार रहे। शिविर की अध्यक्षता घनश्याम जी पाटीदार पूर्व सरपंच द्वारा की गई एवं विशिष्ट अतिथि जनपद ललित कुमार जी, कालु लाल जी जनपद, प्रकाश जी, रघुवीर सिंह जी शक्तावत पूर्व सरपंच, संदीप जी व्यास, पूर्व सरपंच बद्रीलाल जी भंडारी रहे।

शिविर में अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संस्थान उदयपुर की जानकारी व कार्यक्रम का संचालन फील्ड प्रभारी मुकेश कुमार जी शर्मा ने किया। शिविर में अतिथियों का स्वागत मेवाड़ की पगड़ी व उपरणा पहनाकर शिविर प्रभारी हरी प्रसाद जी लढ्ढा द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि प्रधान सीता कुमारी जी ने बताया कि उदयपुर संस्थान में सेवक प्रशांत जी भैया अध्यक्ष एवं वंदना जी अग्रवाल द्वारा जो सेवा कार्य हो रहा वो सराहनीय कार्य है नर सेवा ही नारायण सेवा है, दिव्यांग भाई बहनों को आर्टीफिशियल हाथ व पैर लगने के बाद वो अपने पैर पर चलकर घर जाते देखा बहुत खुशी हुई, उनके चेहरे पर मुस्कान आ रही थी, यही सच्ची मानव सेवा है। उन्होंने कहा कि संस्थान उदयपुर में पलक जी अग्रवाल द्वारा गरीब राशन वितरण का कार्य किया जा रहा है, निःशुल्क दवाइयां, कपड़े, गरीब बच्चों की पढ़ाई का खर्च, सभी निःशुल्क प्रदान किया जा रहा है। शिविर में 35 दिव्यांग भाई बहनों को कृत्रिम अंग लगाए गए। शिविर में मुकेश जी शर्मा ने दानदाताओं से निवेदन किया कि अपनी साल भर की कमाई में से दसवां हिस्सा जरूर दान करना चाहिए और अच्छी सेवा के काम में धन रूपी लक्ष्मी का सदुपयोग करें। शिविर में शिविर प्रभारी हरी प्रसाद जी लढ्ढा, फील्ड प्रभारी मुकेश कुमार जी शर्मा, लोगर जी डांगी, डॉक्टर भंवर सिंह जी, मुन्ना भाई जी, अनिल जी पाटीदार, छोटू जी पाटीदार, गौरव जी का पूर्ण सहयोग रहा।

अंतहीन संभावनायें - दिव्यांगता मिटाने के लिये विभिन्नआयाम
WORLD OF HUMANITY का निर्माण प्रगति पर.....

अंतहीन संभावनाएं - दिव्यांगता मिटाने के विभिन्न आयाम

चिकित्सा
- निदान (एक्स रे, ओपीडी, लैब)
- उपचार (कृत्रिम अंग और कैलीपर्स)
- पोस्ट ऑपरेटिव केयर (वार्ड, आईसीयू)
- चिकित्सा सहायता (फार्मेसी एवं फिजियोथेरेपी)

स्वावलम्बन
- हस्तकला या शिल्पकला
- सिलाई प्रशिक्षण
- डिजिटल (कंप्यूटर) प्रशिक्षण
- मोबाइल फोन मरम्मत प्रशिक्षण
- नारायण चिल्ड्रन एकेडमी (निःशुल्क डिजीटल स्कूल)

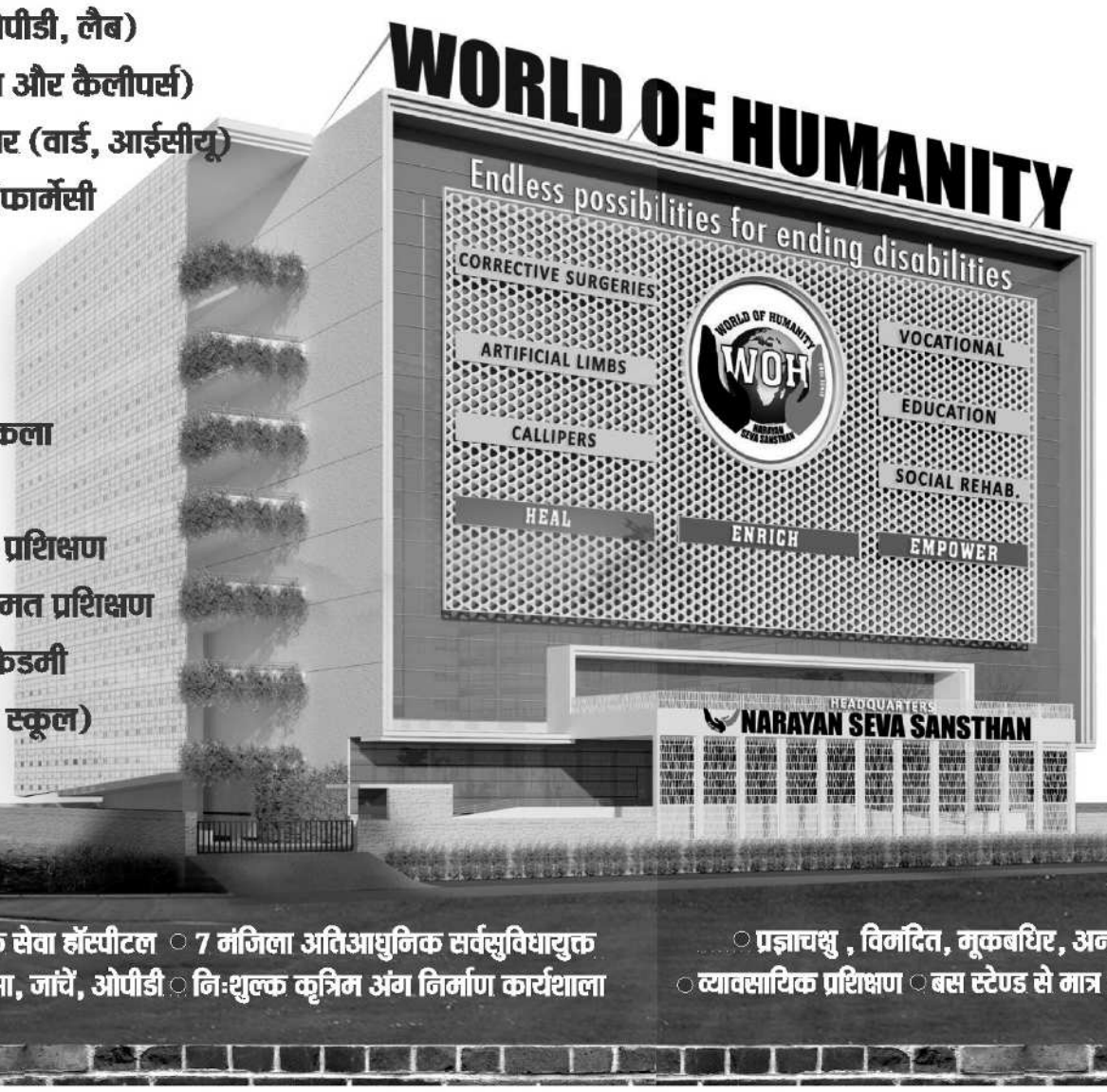

सशक्तिकरण
- दिव्यांग शादी समारोह
- दिव्यांग हीरोज
- दिव्यांग खेल अकादमी
- दिव्यांग संगोष्ठी - सेमीनार
- इंटर्नशिप वॉलंटियर

सामुदायिक सेवाएं
- आदिवासी और ग्रामीण शिक्षा
- वस्त्र वितरण
- दृश्य एवं श्रवण बाधित के लिए आवासीय विद्यालय
- भोजन सेवा
- राशन वितरण
- वस्त्र और कंबल वितरण
- दवा वितरण

○ 450 बेड का निःशुल्क सेवा हॉस्पीटल ○ 7 मंजिला अतिआधुनिक सर्वसुविधायुक्त ○ निःशुल्क शल्य चिकित्सा, जांचें, ओपीडी ○ निःशुल्क कृत्रिम अंग निर्माण कार्यशाला

○ प्रज्ञाचक्षु , विमंदित, मूकबधिर, अनाथ एवं निर्धन बच्चों का निःशुल्क आवासीय ○ व्यावसायिक प्रशिक्षण ○ बस स्टेण्ड से मात्र 700 मीटर दूर ○ रेल्वे स्टेशन से 1500 मीटर दूर

मानवीय सेवा हेतु करें सहयोग
दानदाताओं के सम्मान में

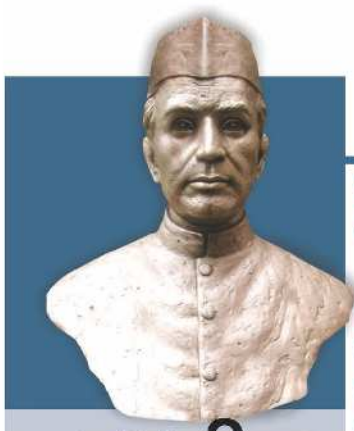

वक्ष प्रतिमा
अस्पताल में प्रवेश पर

डायमण्ड ईंट
सौजन्य दाता

₹51,00,000

- टीवी चैनलों पर 3 मिनट की प्रोफाइल प्रसारित की जायेगी।
- नारायण सेवा की मासिक पत्रिका में एक पृष्ठ रंगीन प्रकाशित होगा। पत्रिका (10 लाख प्रति)।
- सेवा समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में स्वागत।
- 3 कृत्रिम अंग एवं चिकित्सा शिविर का सौजन्य लाभ मिलेगा।
- 4000 पेशेन्ट तक भोजन पहुंचाने का पुण्य मिलेगा।
- जन्मदिन और सालगिरह का उत्सव दिव्यांगों के साथ मनाएं।
- प्रतिदिन दाता और उसके परिवार के लिए 4000 रोगीजन करेंगे कुशल क्षेम की प्रार्थना।

थ्रीडी फ्रेम
अस्पताल में प्रवेश पर

प्लेटिनम ईंट
सौजन्य दाता

₹21,00,000

- टीवी चैनलों पर 2 मिनट की प्रोफाइल प्रसारित की जायेगी।
- नारायण सेवा की मासिक पत्रिका में आधा पृष्ठ रंगीन प्रकाशित होगा। पत्रिका (10 लाख प्रति)।
- सेवा समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में स्वागत।
- आपश्री को 2 कृत्रिम अंग एवं चिकित्सा शिविरों में सम्मानित किया जायेगा।
- 15 दिनों में 4000 रोगी तक भोजन पहुंचाने का पुण्य मिलेगा।
- जन्मदिन और सालगिरह का उत्सव दिव्यांगों के साथ मनाएं।
- प्रतिदिन दाता और उसके परिवार के लिए 4000 रोगीजन करेंगे कुशल क्षेम की प्रार्थना।

मानवीय सेवा हेतु करें सहयोग

फोटो फ्रेम
अस्पताल में प्रवेश पर

स्वर्ण ईंट
सौजन्य दाता

₹11,00,000

- टीवी चैनलों पर 1 मिनट की प्रोफाइल प्रसारित की जायेगी।
- नारायण सेवा की मासिक पत्रिका में क्वाटर पेज रंगीन प्रकाशित होगा। पत्रिका (10 लाख प्रति)।
- सेवा समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में स्वागत।
- आपश्री को शिविरों में सम्मानित किया जायेगा।
- 7 दिन तक रोगी एवं परिचारकों को भोजन खिलाने का पुण्य मिलेगा।
- जन्मदिन और सालगिरह का उत्सव दिव्यांगों के साथ मनाएं।
- प्रतिदिन दाता और उसके परिवार के लिए 4000 रोगीजन करेंगे कुशल क्षेम की प्रार्थना।

पट्टिका पर नाम
अस्पताल में चिल्ड्रन वार्ड

रजत ईंट
सौजन्य दाता

₹5,00,000

- सेवा कार्यक्रमों में विशिष्ट अतिथि के रूप में स्वागत।
- दानदाता को रोगियों का 3 दिन भोजन खिलाने का पुण्य मिलेगा।
- जन्मदिन और सालगिरह का उत्सव दिव्यांगों के साथ मनाएं।
- आपश्री और आपके परिवार के लिए हर दिन होगी प्रार्थना।

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें मो नं. : +91-294-6622222 वाट्सअप : +91-7023509999

सम्पादकीय

जब तक सांस है, तब तक आस है' यह कहावत खूब कही– सुनी जाती है। अच्छा है एक सकारात्मक सोच है। किन्तु महत्वपूर्ण यह है कि आस किसकी? ज्यादातर तो हरेक इंसान का कोई न कोई सपना होता है, चाहे वह नौकरी का हो, धनी बनने का हो, अच्छे परिवार का हो या प्रतिष्ठा पाने का। वह उसी आस के सहारे चलता रहता है।

एक बार असफल होकर वह भविष्य में आशान्वित रहता दिखाई देता है। परन्तु क्या 'जब तक श्वास तब तक आस' का अर्थ केवल भौतिक उपलब्धियों के लिये या स्थूल आकांक्षाओं की पूर्ती के लिये ही है या इसके कुछ भिन्न अर्थ भी है? सच तो यह है कि मनुष्य एक विशेष प्रयोजन के लिये परमात्मा द्वारा सृजित प्राणी है।

इसका उद्देश्य मुक्ति पाना है। यह वाक्य इसके लिये बना है कि मानव ने मुक्ति के उपाय या उपक्रमअब तक किये नहीं। उम्र बीती जा रही है। पर निराशा की कोई बात नहीं है, कभी भी जागृत होकर हम मुक्ति को पाने के अधिकारी हो सकते है, इसलिये 'जब तक सांस , तब तक आस है।'

कुछ काव्यमय

सांसो की डोरी से बंधे,
इस जग में सब ही जीव।
आवागमन की मुक्ति हेतु,
तुझे स्वयं खोदनी नींव।
कुछ करने से कुछ भरने से
तभी बनेगा तेरा काम।
तभी सहायक होंगे राम।

- बख्तीचन्द राव

राहगीरों और जरूरतमंदों को छाते बांटे

नारायण सेवा संस्थान ने गत बुधवार को बारिश में भीगते राहगीरों को मानव मंदिर हॉस्पिटल रोड पर छाते वितरित किए।

संस्थान अध्यक्ष प्रशांत जी अग्रवाल ने बताया कि निदेशक वंदना जी अग्रवाल ने 102 छाते राह चलते जरूरतमंद भाई बहनों को देते हुए कोरोना सावधानी बरतने का आग्रह किया। उल्लेखनीय हैं कि संस्थान ने माह जुलाई से छाते बांटने आरंभ किये है । अब तक 1000 से ज्यादा छाते वितरण किये है।

संकेत को मिली राहत, लौट आई मुसकुराहट

वहेगाँव, जिला–बालाघाट (म.प्र.) निवासी अजयलाल बिशेन (पलस्तर मिस्त्री) का 9 वर्षीय पुत्र संकेत जन्म से ही पाँव पर खड़ा नहीं रह पाता। नागपुर के एक निजी अस्पताल में इलाज भी हुआ। साल भर एक्सरसाइज भी करवाई पर आराम नहीं हुआ। बालक के इलाज के लिए यहाँ आए अजयलाल व उनकी पत्नी श्रीमती सुनीता ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि कुछ समय पहले हमारे पड़ोस के गांव की एक बच्ची नारायण सेवा संस्थान के पोलियो चिकित्सालय से उपचार करवा कर लौटी थी। अब वह सामान्य कामकाज कर लेती और चलती–फिरती भी है। उससे सारी जानकारी लेने के बाद हम यहाँ आए। जाँच हुई और निर्धारित तिथि पर ऑपरेशन हो गया। यहाँ काफी दूर–दूर से पोलियो व सी.पी. ग्रस्त बच्चों व युवाओं को देखा जो ऑपरेशन के बाद खुश हैं। हमें भी उम्मीद है कि संकेत खड़ा होगा और चलेगा भी। यहाँइलाज,आवास, भोजन निःशुल्क है। देखभाल भी बहुत अच्छी है। हम तो दानदाताओं से यही करबद्ध प्रार्थना करेंगे कि वे संस्थान को ज्यादा से ज्यादा सहयोग करें ताकि हम जैसे गरीबों के बच्चे इलाज पाकर मायूसी से उबर सकें।

पोलियो की चपेट से , जिंदगी हर पल रो गई। उम्मीद लेकर आई इशरत, ठीक हो गई।।

हिमाचल प्रदेश के पोन्टा गाँव (जिला –सिरमौर) के ट्रान्सपोर्टर मोहम्मद इकबाल – बतूल बेगम की 25 वर्षीय बेटी इशरत जब तीन साल की थी, पोलियो रोग की चपेट में आ गई। सहारनपुर (उ. प्र.) में लगातार दो माह तक इलाज भी करवाया पर फर्क नहीं पड़ा। आस्था चैनल पर नारायण सेवा संस्थान के पोलियो चिकित्सा कार्यक्रम को देखकर उदयपुर जाने का मानस बनाया। इशरत के साथ आए उनके सैनिक भाई इम्तियाज हाशमी ने बताया कि संस्थान के अस्पताल में जाँच के बाद ऑपरेशन हो गया। कुछ दिन बाद डॉक्टरों ने दूसरे ऑपरेशन की जरूरत बताते हुए तारीख दी। पहले ऑपरेशन के बाद काफी सुधार हुआ। पाँव की मोटाई बढ़ी और अस्थि–संधि (जोड़) खुलने से उठने–बैठने में आराम मिलने लगा। यह किसी चमत्कार से कम न था। दूसरा ऑपरेशन हो चुका है। स्थिति में और सुधार हुआ।

अब सपना पूरा करुंगी

मेरा नाम शिवानी सोनी है, मैं तीन बार नेशनल खेल चूकी हूँ जूडो– कराटे में। घर के पास में टर्न कर रहे थे तो वेन वाले ने टक्कर मार दी। मैं नीचे गिर गई और बेहाश हो गई। पैर में बहुत गम्भीर चोट आई जब मुझे होश आया तो।

मुझे लगा डॉक्टर ने बताया कि, दो साल तक खड़ी भी नहीं हो सकती, खेल नहीं सकती तो मुझे ऐसा लगा कि जिंदगी खत्म हो गयी है। मैंरे लिये उस दिन बड़ा दुःख का दिन था जिस दिन मैंने अपनी बहन को हॉस्पीटल में देखा था।

बहन को फिर से पैरो पर खड़ा करने की प्रतिज्ञा के चलते पंकज ने 2 महीनें तक नारायण सेवा संस्थान से निःशुल्क मोबाईल रिपेयरिंग का कोर्स किया। उसमें सारा का सारा किट जो की मोबाइल रिपेयरिंग में काम आता है। सोल्डर, कॉपर वायर, सोल्डिंग वायर, और टेस्टर वगैराह और मीटर वगैराह जितने भी समान रिपेयरिंग में काम आते है वो सब मुझे दिया।

आज पंकज एक महीने में छः हजार रुपये तक कमा लेते हैं।

मैंरे भैया ने मुझसे प्रामिस किया है कि वो बहुत जल्द मेरा ऑपरेशन करवा देगा। पैरों पे खड़ी हो के वापिस जूडो– कराटे खेल सकूंगी।

मैं उसका सपना जरूर पूरा करुंगी।

मैं नारायण सेवा को धन्यवाद देती हूँ।

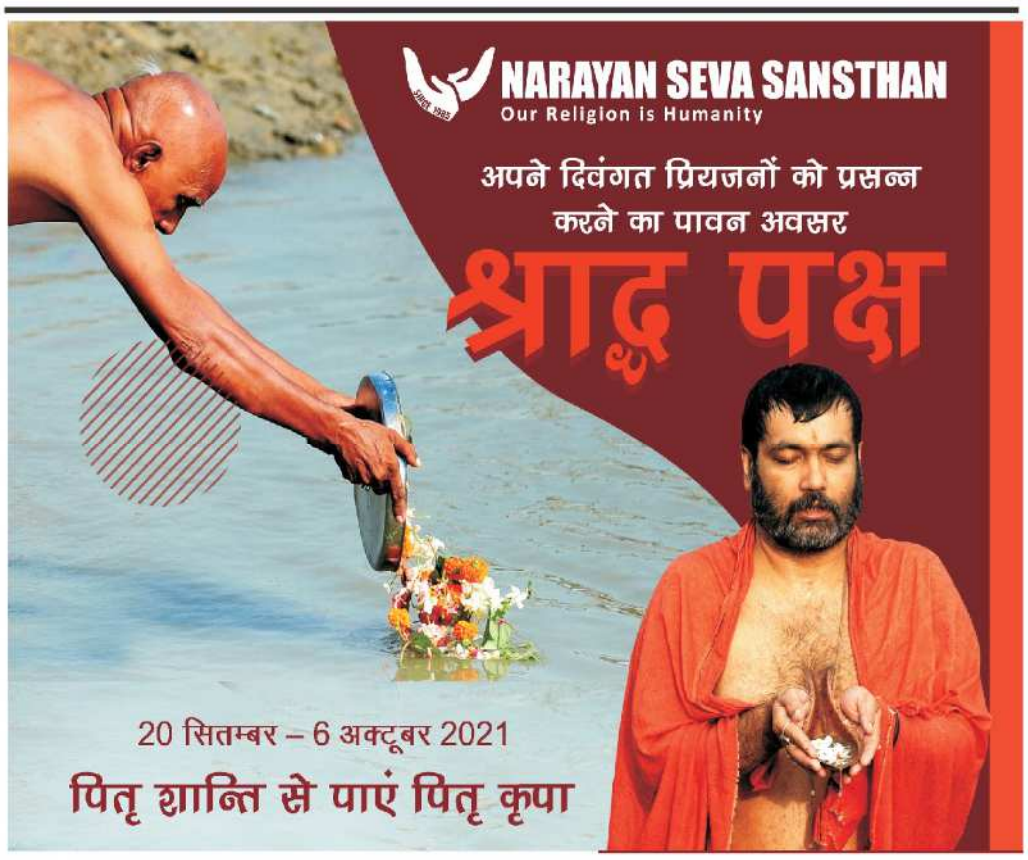

नींबू के छिलके भी हमारी सेहत के लिए फायदेमंद

गर्मियों में शिकंजी बनाकर पीने से लेकर चेहरे की रंगत निखारने के लिए नींबू का इस्तेमाल तो सभी ने किया होगा। नींबू पानी शरीर से गंदगी बाहर करने और एंटीऑक्सीडेंट गुण मौजूद होने की वजह से स्किन को ग्लों करने मे मदद करता है। नींबू से मिलने वाले फायदों से तो ज्यादातर लोग वाकिफ हैं। लेकिन क्या आप उसके छिलकों से मिलने वाले फायदों के बारे में भी जानते हैं। नींबू के छिलको मे विटामिन, खनिज और फाइबर प्रचुर मात्रा में होता है। आइए जानते हैं नींबू के छिलकों से मिलने वाले ऐसे ही कुछ गजब के फायदों के बारे में।

हड्डियों और दांतों को बनाएं मजबूत

नींबू के छिलके में कैल्शियम और विटामिन सी की भरपूर मात्रा होती है जो हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाए रखती है। इसके अलावा यह हड्डियों से जुड़ी बीमारियों जैसे ऑस्टियोपोरोसिस, रहेयूमेटॉइड आर्थराइटिस और इंलेमेटरी पोंलीअर्थराइटिस से भी बचाने में मदद करते हैं।

इम्यून सिस्टम बेहतर

नींबू छिलके का इस्तेमाल करने से व्यक्ति का इम्यून सिस्टम मजबूत होता है।

वजन कम में फायदेमंद

नींबू के छिलके मे पेक्टिन नाम का तत्व होता है, जो शरीर में जमा अतिरिक्त चर्बी को दूर करता है। अगर आप भी वजन कम करना चाहते हैं, तो नींबू के छिलकों का सेवन जरूर करें।

ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस दूर करने में मदद

नींबू के छिलकों में प्रचुर मात्रा में लेवोनॉयड होते है, जो ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस को शरीर से दूर करने में मदद करते हैं।

कोलेस्ट्राल घटाये

शरीर में कोलेस्ट्राल की अधिक मात्रा दिल की सेहत को नुकसान पहुंचाती है। नींबू के छिलकों मे मौजूद पॉलीफेनॉल कोलेस्ट्राल को कम कर आपके शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है।

रक्तचाप को नियंत्रित

नींबू के छिलके में मौजूद पोटेशियम रक्तचाप को नियंत्रित रखने में मदद करता है। सही रक्तचाप से हमारा दिल भी सही रहता है।

त्वचा की सेहत का रखें ख्याल

नींबू के छिलके में मौजूद एंटी–ऑक्सीडेट्स त्वचा को डिटॉक्सीफाई करके त्वचा की सेहत के ख्याल रखते हैं। झुर्रियों, एक्ने, पिगमेंटेशन और गहरे निशानों से बचाने में नींबू के छिलके काफी फायदेमंद होते हैं।

दांतों और मसूड़ों की सेहत

नींबू के छिलके सिट्रिक एसिड से भरपूर होते हैं, विटामिन सी की कमी से हुए नुकसान की भरपाई करने मदद करते हैं, इनका उपयोग दांतों और मसूड़ो संबंधित बीमारियों को दूर रखने में मदद करता है।

(यह जानकारी विविध स्रोतों से प्राप्त है कृपया चिकित्सक से सलाह अवश्य लें।)

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें - अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पैन कार्ड नम्बर AAATN4183F, टैन नम्बर JDHN01027F

Bank Name	Branch Address	RTGS/NEFT Code	Account
State Bank of India	H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
ICICI Bank	Madhuban	ICIC0000045	004501000829
Punjab National Bank	KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
Union Bank of India	Udaipur Main	UBIN0531014	310102050000148

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार छूट के योग्य है।

मन के जीते जीत सदा (दैनिक समाचार-पत्र) प्रकाशक : कैलाश चन्द अग्रवाल 483, सेवाधाम, सेवानगर, हिरण मगरी, से. 4, उदयपुर (राज.) स्वामित्व : नारायण सेवा संस्थान प्रकाशन स्थल : ई, डी-71 बप्पा रावल नगर, हि.म. सेक्टर-6, उदयपुर
मुद्रक : न्यूट्रेक ऑफसेट प्रिंटर्स, 13, भोपा मगरी, बी.एस.एन.एल. एक्सचेंज के पास, हिरण मगरी, सेक्टर - 3 उदयपुर (राज.) के लिए नारायण प्रिंटिंग प्रेस, सेवा महातीर्थ, लियो का गुडा, उदयपुर
सम्पादक : लक्ष्मीलाल गाडरी, मो. 8278607811, 9119398965 • ई-मेल : mankijeet2015@gmail.com • आरएनआई नं. : RAJHIN/2014/59353, • डाक पंजी सं. : RJ/UD/29-154/2021-2023